भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या - 25

दिनांक 19 जुलाई, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए

.....

इथेनॉल का उपयोग

25. डॉ. स्वामी साक्षीजी महाराज:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान रसायन उद्योग में उपयोग में लाए गए इथेनॉल की मात्रा कितनी है;

(ख) क्या मंत्रालय ने पेट्रोल में इथेनॉल को मिलाए जाने को अनिवार्य बनाए जाने का रसायन उद्योग पर वास्तविक रूप से पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय ने देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के अनिवार्य उपयोग के संबंध में अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

रसायन और उर्वरक एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्त कुमार)

(क) : उद्योग के अनुमानों के अनुसार, गत तीन वर्षों के दौरान रसायन उद्योग में प्रयोग हुए इथेनॉल की मात्रा निम्नानुसार है :

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15
मात्रा (करोड़ लीटर में)	84	84	87

(ख) : विभाग ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण को अनिवार्य बनाए जाने का रसायन उद्योग पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का कोई औपचारिक अध्ययन नहीं किया है ।

(ग) एवं (घ) : इथेनॉल एक महत्वपूर्ण रसायन है जिसका उपयोग कई प्रमुख वाणिज्यिक रसायनों जैसे एसिटिक एसिड, इथाइल एसीटेट, मोनो इथाइलीन, ग्लाइकोल (एमईजी)-पॉलिएस्टर (पीईटी) रेजिन,

पॉलिएस्टर फाइबर/यार्न आदि के विनिर्माण में किया जाता है । इथेनॉल का उपयोग बल्क ड्रग्स, औषधियों के विनिर्माण में साल्वेंट और शुद्धिकरण एजेंट तथा प्रयोगशाला में री-एजेंट के रूप में किया जाता है । इथेनॉल, रसायन उद्योग के विकास और मेक इन इंडिया कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है । इसके अतिरिक्त, ईबीपी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन भी इथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता पर निर्भर करता है ।

विभिन्न क्षेत्रों के लिए इथेनॉल की उपलब्धता सरल बनाने के उद्देश्य से विभाग ने इथेनॉल के अधिक उत्पादन के लिए कई उपायों की सिफारिश की है जिनमें बेहतर पद्धतियां जैसे मृदा स्वास्थ्य देख-रेख, वंशानुगत पादप सामग्री एवं फर्टिगेशन के साथ सूक्ष्म सिंचाई आदि को अपनाकर गन्ने के उत्पादन को बढ़ाना शामिल है ।

***